

विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -तृतीय, विषय- हिंदी

दिनांक-13-09-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ-12 संगति का फल (कविता)

सुप्रभात बच्चों,

था गुलाब का पेड़ कहीं पर,
फूल खिले थे उसमें सुन्दर ।

लड़का एक वहाँ पर आकर,

सूँघा ढेला एक उठा कर ।

महक रहा था ढेला ऐसा,

ताजा फूल महकता जैसा ।

फूल वहाँ पर झड़ते होंगे,

उसके ऊपर पड़ते होंगे ।

इससे उसमें खुशबू आई ।

संगति का फल ऐसा भाई ॥

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

गृहकार्य-

दिए गए कविता अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए तथा याद करें।

